

M. T. R. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. ^{Ref.}
_{Det.} 1213

Title: *Vis apha Maula*

2162

Couple

1213

| | | | |
|-----------------|---|---|-------------|
| Visaphar Mantea | : | : | Title |
| : | : | : | Author |
| : | : | : | Editor |
| 81 | : | : | Year, Vols. |
| : | : | : | Publisher |
| 1213 | : | : | Remarks |

श्रीः अस्यमंत्रस्य नारदः अनुष्टुप् कालीयमर्दनः रुक्लेदेवता विषापहारार्थे जपे वि-
मूले कालीयस्य फणामध्ये दिव्यं नृत्यं करोति तं नमामि देवकीपुत्रं नृत्यराजानमच्युतम् ॥
द्वात्रिंशदक्षरो मंत्रः सर्वक्षेडनिवारणः एतन्मंत्रसमो नास्ति विषघ्नो नैव विद्यते ॥ १॥
महाभारते मृसुरोगप्रशंसार्थं नाम त्रयं जपेत् अस्य नाम त्रयस्य उल्लिख्य गायत्रीपुरुषप्र-
कृतिस्तत्त्वच्छेदां सिवसिञ्चकाभूषणनारदाक्षयः महाविष्णुमहानृसिंहे महावराहदे-
वताः सर्वरोगशान्तये अयुतजपे विनियोगः अच्युतार्जुनगोविन्देत्येतन्नामत्रयं द्विजः
अयुतत्रयसंख्याकं जपं कुर्यात् प्रशान्तये इति शंकरगीतावचनात् अचिकित्साश्च
यैरोगा ये रोगानिरुपायिनः तेषां निर्मूलनाशाय तिलेशानमवयेत् ॥